नैनीताल जिले में पर्यटन का सकारात्मक प्रभाव एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

डॉ. ऋतु ,

असि. पोफेसर,

समाजशास्त्रा विभाग, पी.एन.जी. पी.जी. कालेज, रामनगर

शोध सारांश

पर्यटन वह प्रक्रिया है, जिसमें लोग मनोरंजन या व्यावसायिक उद्देश्यो के लिए अपने सामान्य निवास–स्थान से बाहर किसी स्थान पर जाते हैं, जहाँ वे आराम, मनोरंजन, ज्ञान प्राप्त करते हैं, और अपने खाली समय का आनन्द लेते हैं। पर्यटन के कई प्रकार होते हैं, जिसमें सांस्कृतिक पर्यटन के तहत लोग अन्य संस्कृतियो, परंपराओ और ऐतिहासिक स्थलो का अन्वेषण करते हैं। प्राकृतिक पर्यटन के अन्तर्गत प्राकृतिक सौन्दर्य, पहाड़, समुद्र तट, वन्यजीव और प्राकृतिक संरचनाओ की यात्रा करते हैं। धार्मिक पर्यटन में लोग धार्मिक स्थलो की यात्रा करते हैं, जैसे मन्दिर, मस्जिद, चर्च आदि।

नैनीताल जिले में प्रमुख पर्यटन स्थलो– नैनी झील, माल रोड़, नैना देवी मन्दिर, टिफिन टॉप, स्नो व्यू पॉइंट, ईको केव गार्डन, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, हनुमान गढ़ी और कई खूबसूरत झीलें जैसे भीमताल, सात ताल, और नौकुचियाताल आदि को सम्मिलित किया है। नैनीताल के पर्यटन स्थलो पर प्रतिवर्ष लाखो देशी व विदेशी पर्यटक भ्रमण के लिए आते हैं। जिले में बढ़ते हुए पर्यटन के विभिन्न सकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं। पर्यटन न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक घटना है जो स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओ को बढ़ावा देती है, रोजगार के अवसर पैदा करती है और आर्थिक विकास में योगदान करती है।

बीज : *पर्यटन, पर्यटन स्थल, सकारात्मक प्रभाव*

प्रस्तावना:

उत्तराखण्ड की स्वस्थ परम्परा एवं संस्कृति पर्यटन के विकास की एक कड़ी है। इसके उत्तम स्मारक, बहुत बड़ी संख्या में पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उत्तराखण्ड भौगोलिक दृष्टि से भी अपना महत्व रखता है, राज्य की धनी संस्कृति परम्पराए जो हजारो वर्षो से सेंजोकर रखी गयी हैं, प्राकृतिक सीमाएं, वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने, संगीत–नृत्य, पेंटिंग, रीति–रिवाज, भाषाएं आदि सब पर्यटको को स्वर्ग की अनुभूति दिलाती हैं। शर्मा संजय कुमार 34।

पर्यटन शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के ''टूरिज्म'' शब्द के लिए होता है, टूरिज्म शब्द का सम्बन्ध लै टिन भाषा के टूअर से है लैटिन का ही एक शब्द है ''टोरेंस'' जिसका अर्थ है, एक औजार जो पहिए की तरह गोलाकार होता है, सम्भवतः इसी शब्द से यात्रा–चक्र या पैकेज–टूर का विचार सृजित हुआ। सन 1643 के आसपास इस शब्द का प्रयोग विभिन्न स्थानो की यात्रा, मनोरंजन–भ्रमण, पर्यटन तथा विभिन्न राष्ट्रो व क्षेत्रो के भ्रमण अथवा यात्रा करने के लिए किया गया। (मोहन हरि 1996, 21–22)

कुमाऊं पर्वत मालाओ में बसा उत्तरांचल का सर्वज्ञात प्रमुख नगर है, नैनीताल जिसे एशिया

का स्विटजरलैण्ड कहा जाता है, समुद्र तल से 1938 मीटर की उंचाई पर बसा यह नगर झीलो का शहर भी कहलाता है, क्योंकि यह अत्यन्त मनोरम प्राकृतिक झील के किनारे बसा है, यहाँ का मुख्य आकर्षण है। इसका लैण्डस्केप मार्च से जून और सितम्बर के मध्य से अक्टूबर के अन्त तक नैनीताल घूमने का मनोरम समय है, देश के प्रायः सभी हिस्सो से यहाँ पहुँचा जा सकता है।

नैनीताल शहर को सन् 1841 में बसाने का श्रेय एक रोजा शराब फैक्टरी के अंग्रेज व्यापारी मिस्टर पी. बैरन को दिया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं था कि यहाँ इससे पहले कुछ न रहा हो। यहाँ नैना देवी का मंदिर और मेला भी लगता था। नैनीताल एक समद्व पर्यटक स्थल है, उल्लेखनीय है कि नैनीताल की झील विश्व की ऐसी सबसे ऊँची झील मानी जाती है जिसमें नौकाएं तैरती हैं।

नैनीताल और उसके आस–पास के दर्शनीय स्थल इस प्रकार हैं

नैना पीक – नैना पीक (2640 मीटर) पहले इसे चाइना पीक कहा जाता था, शहर से 6 किमी. है, फ्लैट्स से नयना पीक तक रास्ता जाता है, यहाँ से सूर्योदय का दृश्य अत्यन्त सुन्दर दिखाई देता है, पीक से बर्फाच्छादित पर्वत श्रृंखलाओ का मनोरम दृश्य देखते ही बनता है, इसमें नन्दाघुटीं, त्रिशूल, नन्दादेवी, नन्दाकोट प्रमुख हैं, नैनीताल शहर और भी खूबसूरत दिखता है।

स्नो व्यू (2227 मीटर) – शहर से ढाई किमी. है, यहाँ से भी हिमालय की पर्वत श्रेणियॉ अपने पूरे सौन्दर्य के साथ दिखाई देती हैं।

भीमताल – भीमताल (1371 मीटर) नैनीताल से 22 किमी. दूर सुन्दर वातावरण मे स्थित नैनीताल की वृहद्तम लेक है, जो 265 मीटर लम्बी है, लेक के हरे पटनी मे द्वीप, द्वीप पर बना होटल, बोटिंग का आनन्द लिया जा सकता है, यहाँ कई दर्शनीय मंदिर हैं।

अन्य सात ताल (1371 मीटर), भीमताल से पाँच और नैनीताल से 21 किमी., खुरपाताल (1635 मी.) सात किमी., भवाली (1706 मीटर) 12 किमी., रामगढ़ (1789 मीटर) नैनीताल–मुक्तेश्वर मार्ग पर 26 किमी.। इसके अतिरिक्त बहुत से मंदिर दर्शनीय हैं।

नैनी झील नैनीताल नगर की शोभा है, वस्तुतः नैनीताल नगर का नाम इसी झील के नाम पर है शहर का केन्द्र यह झील समुद्र तल से 6350 फुट ऊँचाई पर स्थित है, झील को यद्यपि बरसाती नाले पानी देते हैं, झील के तट पर नैना देवी का मंदिर है। चारो ओर इंग्लिश विलो, अंगू, सुराई आदि के पेड़ इसे और भी सुन्दर बना देते हैं, यहाँ पर बोटिंग का भी प्रबन्ध है, नैनीताल से लगभग चार किलोमीटर दूर लगभग 8000 फुट की ऊँचाई पर स्थित खुरपा ताल तथा उसके आस–पास फैले सीढ़ीदार खेतो को देखा जा सकता है।

भीमताल से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर प्राकृतिक आगोशा में भीमताल से बड़ा नौकुचिया ताल स्थित है, यह ताल तीन मुख्य भागो मे बँटा है, पहला भाग पैदल बोटिंग के लिए जहाँ बोटिंग के इच्छुक लोग बोटिंग की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं, दूसरे भाग मे मछलियाँ पकड़ी जाती हैं, तो तीसरा भाग प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए पक्षियो की क्रीड़ा स्थल के रूप मे छोड़ दिया गया है (मोहन हरि, 210–206, 329–330)।

अध्ययन के उद्देश्यः

1. पर्यटन की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
2. पर्यटन के सकारात्मक प्रभावो का मूल्यांकन करना।

अध्ययन क्षेत्र व शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध वर्णनात्मक शोध प्राणाली व द्वितीयक आँकड़ो पर आधारित है, अध्ययन क्षेत्र के लिए नैनीताल का चयन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्रः

नैनीताल – नैनीताल, बाहरी हिमालय की कुमाऊँ तलहटी में स्थित है और राज्य की राजधानी देहरादून से 276 किमी. (171 मील) और भारत की राजधानी नई दिल्ली से 314 किमी. (195 मील) की दूरी पर है। समुद्र तल से 1938 मीटर (6358 फीट) की ऊँचाई पर स्थित यह शहर एक घाटी मे बसा है, जिसमें लगभग दो मील परिधि वाली एक आँख के आकार की झील है, और यह पहाड़ो से घिरा हुआ है।

जिनमे सबसे ऊँचे उत्तर मे नैना पीक (2,615 मीटर / 8,579 फीट), पश्चिम मे देवपथ (2,438 मीटर / 7,474 फीट) है, ऊँची चोटियो के शीर्षो से ''दक्षिण मे विशाल मैदान, या उत्तर मे स्थित उलझी हुई चोटियो के समूह, जो हिमालय की केन्द्रीय धुरी बनाने वाली विशाल बर्फीली श्रंखला से घिरे है, के शानदार दृश्य प्राप्त किए जा सकते हैं। यह हिल स्टेशन साल भर पर्यटको को आकर्षित करता है। en.wikipedia.org

पर्यटन का सकारात्मक प्रभाव

नैनीताल में पर्यटन के सकारात्मक प्रभावो में आर्थिक विकास, स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन, रोजगार के अवसर, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, पर्यावरणीय जागरूकता और सीमावर्ती गांवो का विकास शामिल है। पर्यटन स्थानीय शिल्प और पारम्परिक जीवन शैली को भी बढ़ावा देता है।

1. **रोजगार और आय वृद्धिः–** पर्यटन से होटल, होमस्टे, रेस्तरां, टैक्सी और स्थानीय उत्पादो की दुकानो में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं, जिससे स्थानीय लोगो की आय बढ़ती है, और पलायन कम होता है।

2. **जीवन स्तर में सुधार** :– बढ़ी हुई आय से स्थानीय लोग अपने बच्चो को बेहतर शिक्षा दे पाते हैं, और सड़को, संचार, स्कूलो, अस्पतालो जैसी सामाजिक सुविधाओ में विकास होता है।

3. **सांस्कृतिक संरक्षण और पचारः**– पर्यटन से स्थानीय हस्तशिल्प कला, त्योहार, और परंपरा को लोकप्रियता मिलती है। जो लुप्त होने के कगार पर थे, जिससे सांस्कृतिक विरासत को बचाया जा सके।

4. **सामाजिक– सांस्कृतिक एकीकरण**– विभिन्न जगहो से आने वाले पर्यटन स्थानीय संस्कृति और सामाजिक जीवन को करीब से देखते है जिससे विभिन्न संस्कृतियों का मेल होता है और सामाजिक समझ बढ़ती है।

5. **शिक्षा और कौशल विकासः**– पर्यटन से जुड़े व्यवसायो जैसे गाइड, होटल प्रबन्धन मे स्थानीय युवाओ को प्रशिक्षण और रोजगार मिलता है, जिससे उनके कौशल मे वृद्वि होती है।

निष्कर्ष

नैनीताल के लिए पर्यटन एक जीवनरेखा है, लेकिन इसके सकारात्मक प्रभावो को बनाए रखने के लिए ''सतत पर्यटन'' अपनाना जरूरी है, जिसमें पारिस्थितिकी और स्थानीय संस्कृति का सम्मान करते हुए सुनियोजित विकास किया जाए।

पर्यटन प्रबन्धन पर भी अधिक ध्यान दिया जाए तीर्थ यात्रियो को आरामदायक सस्ती और तीर्थ स्थलो के आस पास के अधिक से अधिक पर्यटक स्थलो की यात्रा की भी व्यवस्था की

जाए। यहाँ की सांस्कृतिक विरासत एवं अल्प ज्ञात स्थलो का प्रचार–प्रसार किए जाने की भी आवश्यकता है। स्थानीय युवाओ को सरकारी सहायता दे कर यात्रा मार्गो पर दुकाने खुलवाई जानी चाहिए जिनमे ''नो प्रोफिट नो लॉस'' के आधार पर खाने–पीने की वस्तुये उपलब्ध हो। अब उनकी सेवायें, गाइड के रूप में भी ली जानी चाहिए। देवभूमि का सामाजिक एवं प्राकृतिक वातावरण अनूठा बना रहे। ऐसा प्रयास हम सब का हो।

सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची

- पाण्डे, बद्री दत्त, 1990, ''कुमाऊँ का इतिहास'' प्रकाशक विनोद, प्रसाद अग्रवाल, श्याम प्रकाशन, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, ''अल्मोड़ा–263601''।
- मोहन, हरिं 1996, ''संस्कृति पर्यावरण और पर्यटन'' तक्षशिला प्रकाशन।
- मोहन, हरि''उत्तरांचल में पर्यटन नए क्षितिज'' तक्षशिला प्रकाशन, 23/4761 अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली।
- शर्मा, संजय कुमार, ''पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद'' प्रकाशन तक्षशिला।
- en.wikipedia.org